NEWS 18 हिंदी

आरबीआई रेपो रेट 5.5% पर स्थिर रखा, डेवलपर्स और घर खरीदारों के लिए क्या है इसका मतलब? जानिए

Last Updated: August 06, 2025, 18:31 IST

आरबीआई ने रेपो रेट को 5.5% पर स्थिर रखा है, जिससे रियल एस्टेट सेक्टर में स्थिरता और भरोसा बढ़ेगा. विशेषज्ञों के अनुसार, यह फैसला हाउसिंग मार्केट में सकारात्मक रफ्तार बनाए रखेगा.

आरबीआई का यह फैसला रियल एस्टेट खासकर आवासीय क्षेत्र के लिए स्थिरता और भरोसे का संकेत देता है.

नई दिल्ली. भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने रेपो रेट को 5.5% पर स्थिर रखने बनाए रखा है. इस साल फरवरी से अब तक लगातार तीन बार रेपो रेट में कुल 100 बेसिस पॉइंट की कटौती के बाद यह पहला विराम है. यह फैसला आरबीआई की तटस्थ मौद्रिक नीति के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक राजनीतिक तनाव जैसी अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक वृद्धि और महंगाई के बीच संतुलन बनाए रखना है. हालांकि रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं होने से होम लोन लेने वालों को तुरंत राहत नहीं मिलेगी, लेकिन यह स्थिरता रियल एस्टेट सेक्टर और उपभोक्ता भावना में भरोसे को जरूर बढ़ावा देती है.

आरबीआई का यह फैसला रियल एस्टेट खासकर आवासीय क्षेत्र के लिए स्थिरता और भरोसे का संकेत देता है. ये दोनों ही बातें बाजार को लंबे समय तक मजबूत बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी हैं. ब्याज दरों में स्थिरता और हाल ही में मिली नकदी सहायता से बिल्डरों को अपनी परियोजनाओं की लागत को संभालने, नए प्रोजेक्ट लॉन्च करने और घरों की आपूर्ति बनाए रखने में मदद मिल रही है.

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

मार्केट को मिलेगी गति

रॉयल एस्टेट ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, पियूष कंसल कहते हैं पिछले कुल 100 बेसिस पॉइंट की कटौती के बाद, अब रेपो रेट को स्थिर रखने का आरबीआई का फैसला रेसिडेंशियल रियल एस्टेट सेक्टर की उम्मीदों के अनुरूप है. हालांकि अगर इसमें और कटौती होती तो हाउसिंग लोन की मांग को और बढ़ावा मिल सकता था एम2के ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट हेड एवं मार्केटिंग, सेल्स और सीआरएम,डॉ. विशेष रावत कहते हैं रेपो रेट को 5.5% पर स्थिर रखने और तटस्थ रुख बनाए रखने का आरबीआई का फैसला वित्तीय माहौल में जरूरी स्थिरता लेकर आया है. रियल एस्टेट के लिए यह अच्छा कदम है, खासकर जब खरीदारों की सोच धीरे-धीरे बेहतर हो रही है